ICPR
INDIAN COUNCIL OF PHILOSOPHICAL RESEARCH

श्रद्धेय पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयंती के सुअवसर पर आयोजित

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रीयता और मानवता के प्रतीक : पं. दीनदयाल उपाध्याय

21-22 नवंबर, 2025

विज्ञान भवन, नई दिल्ली

विश्व हिन्दी परिषद

हिन्दी भाषा | विश्व भाषा

वसुधैव कुटुम्बकम्

विश्व हिन्दी परिषद

बी-2/1 बी, निधि हाउस, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029

-011-35990037, 8586016348

- vishwahindiparishadoffice@gmail.com

-www.vishwahindiparishad.in

8586016348

vishwahindiparishad

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सन्दर्भ में

पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारत के उन महान विभूतियों में से एक हैं, जिनका दर्शन आज भी समाज और राष्ट्र के बीच समरसता का प्रतीक है। पं. दीनदयाल जी का वैचारिक संसार अत्यंत व्यापक और समग्रता को लिए हुए है। वे न केवल एक राजनीतिज्ञ थे वरन एक चिंतक, दार्शनिक, विचारक और समाज सुधारक भी थे। उन्होंने भारत के सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य को एक नया आयाम दिया। जैसा कि हम जानते हैं कि पं. दीनदयाल जी की जयंती को 'अंत्योदय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उनके जीवन और दर्शन को सम्मानित करने का भी दिन है। 'अंत्योदय', यानी '**समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान**'-यही उनके जीवन का मूल उद्देश्य रहा। पं. दीनदयाल उपाध्याय ने अपने जीवन में इसी उद्देश्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी यह सोच आज भी भारतीय राजनीति, समाज और संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। निःसंदेह, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक ऐसे दूरदर्शी चिंतक और राष्ट्रनेता थे जिन्होंने भारतीय समाज, संस्कृति और राजनीति को 'एकात्म मानववाद' के माध्यम से एक नया आयाम दिया। आज उनका जीवन-दर्शन न केवल भारत में बल्कि विश्वस्तर पर राष्ट्रीयता और मानवता के बीच गहरा सामंजस्य स्थापित करता है। उनके विचार और उनका चिंतन आज हमारे लिए अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायक है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयंती के अवसर पर यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन उस महान विचारक के आदर्शों को नयी पीढ़ी तक पहुंचाने, उनके सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण को समझने और वैश्विक संदर्भ में उनके संदेश को प्रसारित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। हमें विश्वास है कि हम सब उनके आदर्शों से प्रेरणा ग्रहण कर अपने समाज, राष्ट्र और विश्व को बेहतर बनाने में योगदान देंगे।

ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु

- संयुक्त आलेख/शोधपत्र होने की स्थिति में अलग-अलग पंजीकरण कराना आवश्यक होगा।
- चयनित प्रतिभागियों को ही आलेख/शोधपत्र वाचन की अनुमति दी जाएगी।
- प्रथम पृष्ठःआलेख/शोध पत्र का शीर्षक, लेखक/सह-लेखक का नाम, संपर्क का पता (100 शब्दों में) तथा दूरभाष नम्बर और ई-मेल का उल्लेख करें।
- आलेख/शोधपत्र केवल एमएसवर्ड फाइल के रूप में भेजें। वर्ड फ़ाइल के साथ पीडीएफ फाइल भेजना अनिवार्य है।
- फॉन्ट-यूनिकोड/मंगल (हिन्दी)
- बीज शब्दः 4-5
- फॉन्ट साइज: 12pt/हाशिया सीमा: 15 cm. (चारों तरफ)/ पंक्तियों के मध्य अंतरालः 1.5
- पृष्ठ संख्याः पृष्ठ के निचले हिस्से में दायीं तरफ दें।
- तालिका और आवृत्ति आदि के शीर्षक का जिक्र उनके नीचे संख्या और स्रोत के साथ करें।
- आलेख/शोधपत्र इत्यादि vhpshodhpatra@gmail.com ई-मेल पर भेजें।

शोध सारांश और आलेख हेतु अनिवार्य प्रारूप

शोध सारांश की अधिकतम शब्द सीमा	:	350 शब्द
शोध सारांश भेजने की अंतिम तिथि	:	25 अक्टूबर, 2025
शोध सारांश स्वीकृति की तिथि	:	05 नवंबर, 2025
पूर्ण शोधपत्र की अधिकतम शब्द सीमा	:	3500 शब्द
आलेख की अधिकतम शब्द सीमा	:	1000-1200 शब्द
पूर्ण शोधपत्र / आलेख भेजने की अंतिम तिथि	:	15 नवंबर , 2025
पूर्ण शोधपत्र / आलेख स्वीकृति की तिथि	:	15 नवंबर , 2025

स्मारिका का प्रकाशन

दो-दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित करने की योजना है। स्मारिका में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के विभिन्न उपयोगी आलेख/शोध पत्र और हिंदी साहित्य तथा राजभाषा हिंदी से संबंधित महत्वपूर्ण सामग्री प्रकाशित की जाएगी। इस स्मारिका में संस्थाओं/प्रतिष्ठानों का सचित्र परिचयात्मक लेख भी प्रकाशित किया जा सकता है ताकि उनके बारे में सभी को जानकारी मिल सके। यह स्मारिका अपने आप में एक उपयोगी ज्ञानप्रद और आकर्षक माध्यम के रूप में व्यापक रूप से प्रचारित-प्रसारित की जाएगी ताकि अधिक से अधिक हाथों तक इसे पहुँचाया जा सके।

आलेख/शोधपत्र आमंत्रण

सम्मेलन के लिए मौलिक और अप्रकाशित आलेख/शोधपत्र हिंदी भाषा में आमंत्रित हैं। इच्छक प्रतिभागियों से निवेदन है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं वर्षगांठ पर अपनी मूल्यवान लिपिबद्ध स्मृतियाँ अवश्य साझा करें। इस सम्मेलन में हर इच्छुक व्यक्ति भागीदारी कर सकता है। इसमें पेशा, कार्य, विचारधारा, व्यवसाय, क्षेत्र, भाषा और विषय इत्यादि किसी भी प्रकार की कोई भी पाबंदी नहीं है। मुख्य विषय और उपविषयों के अतिरिक्त अन्य संदर्भित आयामों पर भी आलेख/शोध आलेख भेजे जा सकते हैं। स्तरीय आलेखों/शोध आलेखों को ISSN/ISBN नम्बरयुक्त प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशनों में प्रकाशित करवाने की योजना है।

आलेख/शोधपत्र वाचन एवं पत्रिका/पुस्तक में प्रकाशन के संदर्भ में विश्व हिंदी परिषद की निर्णायक समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा। निर्णय आलेख/शोधपत्र की उत्कृष्टता एवं गुणवत्ता के आधार पर होगा।

कतिपय उपविषय

- पं. दीनदयाल उपाध्याय और अंत्योदय योजना
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और एकात्म मानववाद
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और भारतीय राष्ट्रवाद
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और उनका राष्ट्र-चिंतन
- पं. दीनदयाल उपाध्याय का दार्शनिक चिंतन
- पं. दीनदयाल उपाध्याय का राजनीतिक चिंतन
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और सामाजिक समरसता
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और भारतीय संस्कृति
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और आधुनिक भारत
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और भारतीय लोकतंत्र
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और भारतीय युवा
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और किसान हित संबंधी उनके विचार
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और पर्यावरण
- पं. दीनदयाल उपाध्याय का नेतृत्व और संगठन कौशल
- पं. दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन में वैश्विक शांति के स्वर
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और वर्तमान आर्थिक प्रगति
- पं. दीनदयाल उपाध्याय और वर्तमान वैश्विक चुनौतियाँ
- सांस्कृतिक पुनरुत्थान में पं. दीनदयाल उपाध्याय की भूमिका
- राष्ट्र और संस्कृति के निर्माण में पं. दीनदयाल उपाध्याय का योगदान
- भारतीय भाषा और साहित्य में पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता

सरकारी / गैर सरकारी संस्थान द्वारा मनोनीत प्रतिभागी	व्यक्तिगत प्रतिभागी	विदेशी प्रतिभागी
मंत्रालयों, सरकारी विभागों/उपक्रमों आदि द्वारा मनोनीत के लिए 10,000/- रु. प्रति प्रतिभागी	आजीवन सदस्य शिक्षकों/अन्य के लिए : 2000/- रु. प्रति प्रतिभागी गैर सदस्य-3000/-रु. प्रति प्रतिभागी	विदेशियों के लिए : 500/- डॉलर प्रति प्रतिभागी
शिक्षण संस्थाओं/महाविद्यालयों इत्यादि द्वारा मनोनीत के लिए: 5,000/- रु. प्रत्ति प्रतिभागी	पत्रकारों, साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं इत्यादि के लिए: 2000/- रु. प्रति प्रतिभागी शोधार्थियों के लिए: 1200/- रु. प्रति प्रतिभागी विद्याधियों के लिए: 1000/- रु. प्रति प्रतिभागी	दक्षिण एशियाई देशो के प्रतिभागियों के लिए: 10000/- भारतीय रु. प्रति प्रतिभागी

प्रतिभागिता शुल्क के अंतर्गत चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन, सम्मेलन से संबंधित सामग्री-पैन/पैड/बैग/फोल्डर इत्यादि शामिल हैं। प्रतिभागिता/पंजीकरण शुल्क का भुगतान बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से हमारी वेबसाइट www.vishwahindiparishad.in पर जाकर ऑनलाइन या NEFT/RTGS अथवा विश्व हिंदी परिषद, नई दिल्ली के नाम से किया जा सकता है। भुगतान संबंधी रसीद प्रपत्र vhphelpdeskmail2023@gmail.com, पर मेल करें और इसकी मूल प्रति संगोष्ठी के दिन अपने साथ अवश्य लाएँ।

चुने गए 21 श्रेष्ठ आलेखों/शोध पत्रों को विशिष्ट सम्मान के साथ प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। साथ ही सम्मेलन में उपस्थित सभी नामांकित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह से देकर सम्मानित किया जाएगा।

कृपया पंजीकरण हेतु स्कैन करें

नीचे दिए गए लिंक से पंजीकरण करें

https://forms.gle/bhaSfGVY1ZWRky7YA

सम्मान एवं पुरस्कार

विश्व हिन्दी परिषद की परिपाटी हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को सम्मानित व पुरस्कृत करने की रही है। ये पुरस्कार उच्चस्तरीय मूल्यांकन समिति की सिफारिशों के आधार पर दिए जाते हैं। पूर्व आयोजनों में भी परिषद द्वारा साहित्य एवं गैर-साहित्यिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संस्थानों/व्यक्तियों को भारत सरकार के मंत्रीगण के कर-कमलों से सम्मानित किया जाता रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी हिंदी साहित्य तथा राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं/कार्यालियों को सम्मानित/पुरस्कृत करने की योजना है:-

1. 21 श्रेष्ठ शोध-पत्र/आलेखों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।
2. राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 51 व्यक्तियों को सम्मानित किए जाने की योजना है।
3. **भारत सरकार की राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए पुरस्कार(इसके लिए सरकारी कार्यालियों/उपक्रमों इत्यादि को** विश्व हिंदी परिषद की वेबसाइट www.vishwahindiparishad.in पर उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करना होगा और साथ ही विश्व हिंदी परिषद के पक्ष में निर्धारित प्रविष्टि शुल्क जमा कराना होगा। मूल्यांकन के आधार पर श्रेष्ठ पाए जाने वाले कार्यालियों/उपक्रमों इत्यादि को पुरस्कृत किया जाएगा।

पुरस्कारों के निर्धारण में मूल्यांकन समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा।

विश्व हिंदी परिषद का बैंक विवरण (NEFT/RTGS के लिए)

खाताधारक का नाम	:	Vishwa Hindi Parishad
खाता संख्या	:	007105011143
बैंक का नाम	:	ICICI BANK
शाखा का नाम	:	Green Park
IFSC Code	:	ICIC0000071
MICR Code	:	110016022

आयोजन समिति (आयोजक के सन्दर्भ में)

विश्व हिन्दी परिषद लोकमंगल और सर्वकल्याण की भावना से अनुप्राणित हिन्दी भाषा के साधकों को प्रोत्साहित कर, भाषा के उन्नयन और अविरल गति से चलने के प्रयास में जुटी अपने प्रयोजन और उद्देश्य को पूरा कर रही है। हिन्दी प्रचार-प्रसार की सेवा में तत्पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक के साहित्यकारों, पत्रकारों, प्राध्यापकों, शिक्षकों, राजभाषा अधिकारियों, स्वयंसेवियों एवं कर्मचारियों तथा हिन्दी प्रेमी जनता को एक मंच पर एकत्रित करके उन्हें अनुप्रेरित करते हुए यह संस्था विगत दो दशकों से अपनी कर्मठ भूमिका निभा रही है।

परिषद का उद्देश्य समाज-सापेक्ष, व्यावहारिक, प्रकार्यात्मक, सरल एवं सुबोध तथा क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों को लेकर जीवंत हिन्दी बनाना है क्योंकि मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा और अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की बहुआयामी भूमिका है। यह हिन्दी-प्रेमी विद्वानों एवं चिंतकों को संगठित करके समय-समय पर हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रति उनके कर्तव्य को याद दिलाती है और उनमें दायित्वबोध को जागृत कराती है। परिषद द्वारा हिन्दी की सेवा में तत्पर हिन्दी प्रेमियों को बढ़ावा देने एवं उनके योगदान को सराहने के लिए प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें पुरस्कारों से सम्मानित भी किया जाता है। विश्व हिन्दी परिषद अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलनों के दौरान स्मारिका भी प्रकाशित करती रही है। परिषद युवाओं तथा नव-प्रतिभाओं को आत्माभिव्यक्ति का व्यापक मंच भी प्रदान करती है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं, सामाजिक-सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से हिन्दी भाषा का वैश्विक विस्तार करना ही विश्व हिंदी परिषद का मुख्य ध्येय है। विश्व हिन्दी परिषद भारतीय भाषाओं के समन्वय से हिंदी को विश्व भाषा/राष्ट्रभाषा बनाने की भावना से अनुप्राणित है।

आवास सम्बन्धी सूचना

सभी प्रतिभागियों की सुविधा हेतु कार्यक्रम स्थल के निकट न्यूनतम शुल्क पर आवास की व्यवस्था हेतु निम्नलिखित स्थानों की जानकारी दी जा रही है। इच्छुक प्रतिभागी सीधे सम्पर्क कर स्वयं अपनी ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित कर सकते हैं:

- **गांधी दर्शन समिति,** राजघाट - 99683 75225
- **अनुव्रत भवन**, छतरपुर - 96433 00655, 98111 38881
- **ला विस्ता,** क़रोल बाग़ - 70118 95100, 99530 90584

देश के विभिन्न राज्यों के भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वान शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का सम्मान

सम्मेलन स्थल के निकट प्रमुख दर्शनीय स्थल

विज्ञान भवन के निकट राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट, नेशनल जियोलॉजिकल पार्क, भारतीय संसद भवन और उसके भी आगे साउथ रिज फारेस्ट जैसे दर्शनीय एवं मनोहारी स्थल हैं, जहाँ ऐतिहासिक वास्तु-कला से लेकर प्राकृतिक सुषमा तक का निदर्शन किया जा सकता है। सम्मेलन स्थल से राजीव चौक मेट्रो स्टेशन की तरफ कनॉट प्लेस है। यहाँ घूमने और देखने के स्थान चाहे ऐतिहासिक हों या धार्मिक, चाहे शॉपिंग के हों या खाने-पीने और मौजमस्ती के लिए, किसी की भी यहाँ कमी नहीं है, कनॉट प्लेस में आपको सब कुछ मिल जाएगा। कनॉट प्लेस के ऐतिहासिक स्थलों में 'जंतर-मंतर' और 'अग्रसेन की बावली' प्रमुख हैं। कई फिल्मों में दिखाई देने के कारण यह युवाओं का पसंदीदा स्थान है। यहाँ ऐतिहासिक 'हनुमान मंदिर' और प्रसिद्ध 'बंगला साहब गुरुद्वारा' भी दर्शनीय हैं।

कनॉट प्लेस में स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन में खादी से बने खूबसूरत कपडे मिलते हैं। यहाँ कुटीर उद्योग का सामान भी मिलता है। कनॉट प्लेस का इनरसर्कल और पालिका बाजार शॉपिंग के लिए बेहतर विकल्प हैं। यहाँ दुनिया के बड़े-बड़े ब्रांड भी मिल जाएंगे। जनपथ स्थित मिनी मार्किट में कम कीमत में बेहतर शॉपिंग की जा सकती है। मुगलई और नॉनवेज खाने के शौकीनों के लिए काके दा होटल' अच्छा विकल्प है। साउथ इंडियन खाने के शौकीनों के लिए सरवन भवन पर हर प्रकार के डोसे उपलब्ध हैं। बाबा खडग सिंह मार्ग पर स्थित 'कॉफी होम' पर कॉफी पीना न भूले। स्ट्रीट फूड के शौकीन पालिका बाजार का जायका ले सकते हैं। जबकि एक से एक 'क्वालिटी रेस्टोरेट' भी यहाँ उपलब्ध हैं।

सम्मेलन स्थल : विज्ञान-भवन का परिचय

नई दिल्ली में मौलाना आजाद रोड पर स्थित यह एक सरकारी इमारत है। सन् 1956 में बनी यह इमारत राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिये प्रयोग में लायी जाती है। यह दिल्ली के बेहतरीन, अत्याधुनिक तथा नवीनतम उपकरणों व तकनीक से युक्त है। यह पूर्णतः वातानुकूलित है। इसके निकटवर्ती मेट्रो स्टेशन केंद्रीय सचिवालय तथा उद्योग भवन हैं। यहाँ दृश्य-श्रव्य रिकॉर्डिंग की सुविधा के लिए स्टूडियो उपलब्ध है। इसमें सभी प्रमुख बिंदुओं पर सी.सी.टी.वी. की व्यवस्था है। इसमें लगभग 1200 लोगों के बैठने की सुविधा है। विज्ञान भवन में कॉमनवेल्थ मीटिंग, नॉन एलाइण्ड मूवमेण्ट और सार्क समिट्स जैसे कई महत्वपूर्ण आयोजन भारत सरकार द्वारा किये जा चुके हैं। भारत सरकार का शहरी विकास मंत्रालय इसकी पूरी देखरेख व अनुरक्षण करता है। इस इमारत में वे सभी आयोजन सम्पन्न होते हैं जिनमें भारत के राष्ट्रपति अथवा प्रधानमन्त्री उपस्थित हों। इसके अलावा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार व हिन्दी दिवस जैसे सरकारी आयोजन भी यहीं होते हैं। समानांतर सत्र संचालन के लिए उचित व्यवस्था है। इसमें ऐसे अनेक कक्ष हैं, जहाँ बैठक की जा सकती है। ध्वनि, प्रकाश, चित्र व्यवस्था लिए अनुकूल सुविधाएँ विद्यमान हैं। जलपान एवं भोजन सत्र के लिए जलपान स्थल उपलब्ध हैं। अत्यधिक सुंदर, भव्य, आकर्षक, नवीन तकनीकीयुक्त विज्ञान-भवन का यह सभागार बौद्धिक एवं शिक्षित वर्ग के लए आकर्षण तथा जिज्ञासा का केंद्र है।

जंतर मंतर

राष्ट्रपति भवन

राष्ट्रीय समर स्मारक, इंडिया गेट

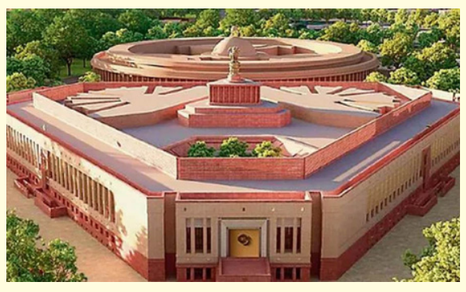

भारतीय संसद

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2024

डॉ हरि बाबू कंभमपति जी,
महामहिम राज्यपाल, मिजोरम

प्रो॰ एस पी सिंह बघेल जी,
माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री
भारत सरकार

श्री आर के सिन्हा जी
पूर्व राज्यसभा सांसद एवं उद्योगपति

श्री के सी त्यागी जी
राजनीतिक सलाहकार, जद(यू)

श्री फग्गन सिंह कुलस्ते जी
पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ सांसद

आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद
(पद्मश्री, पद्मभूषण)
राष्ट्रीय अध्यक्ष-विश्व हिंदी परिषद

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2023

श्री अजय कुमार मिश्रा जी
माननीय केंद्रीय गृह राज्यमंत्री

श्री इंद्रेश कुमार जी
वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

सुश्री अनुसुइया उइके जी
महामहिम राज्यपाल, मणिपुर

श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य जी,
महामहिम राज्यपाल, सिक्किम

स्वामी सर्वलोकनंद जी महाराज
सचिव, रामकृष्ण मिशन आश्रम,
दिल्ली

श्री सुधीर चौधरी जी
वरिष्ठ पत्रकार, आजतक न्यूज़

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2019

श्रीमती मृदुला सिन्हा जी
महामहिम राज्यपाल, गोवा

श्री इंद्रेश कुमार जी
वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

श्री अर्जुन राम मेघवाल जी
माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री,
भारत सरकार

डॉ जितेंद्र सिंह जी
माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री,
भारत सरकार

श्री वी॰के॰ सिंह जी
माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री,
भारत सरकार

राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायिका
सुश्री मैथिली ठाकुर

विश्व हिंदी परिषद द्वारा कार्यक्रमों की एक झलक

हिंदी दिवस समारोह 2016 की अध्यक्षता करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता माननीय मुरली मनोहर जोशी जी, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री किरण रिजीजु जी एवं माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद सांसद श्री अरूण कुमार जी

विश्व हिंदी दिवस समारोह 2017 की अध्यक्षता करते हुए हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्रीमान कप्तान सिंह सोलंकी जी, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय के सचिव श्री प्रभाष झा जी एवं माननीय सांसदगण, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के एम सिंह जी

हिंदी दिवस समारोह 2017 की अध्यक्षता करते हुए हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री शांता कुमार जी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद माननीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज अहीर जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजद श्री आर के सिन्हा जी, पद्मश्री संस्कार भारती के राष्ट्रीय अधिकारी दयाप्रकाश सिन्हा जी एवं एनबीसीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार मित्तल जी

विश्व हिंदी दिवस समारोह 2018 की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ अधिकारी श्री इंद्रेश कुमार जी, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद श्री अश्विनी कुमार चौबे, केंद्रीय राज्यमंत्री भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा जी एवं मौजूद सांसदगण एवं संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य डॉ. मार्कण्डेय राय जी

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन समिति-2025

मुख्य संरक्षक

- श्री इंद्रेश कुमार, वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
- पद्मश्री सी॰पी॰ ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार
- श्री अजय कुमार मिश्र, पूर्व गृह राज्यमंत्री, भारत सरकार

संरक्षक

- प्रो. रामबहादुर राय, अध्यक्ष, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली
- श्री रामचंद्र जांगड़ा, सदस्य, संसदीय राजभाषा पहली उपसमिति एवं सांसद, राज्यसभा
- श्री चिंतामणि महाराज, सांसद, छतीसगढ़

परामर्श मंडल

- प्रो. सच्चिदानंद मिश्र, सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
- प्रो. मुरली मनोहर पाठक, कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली
- प्रो. रमा शंकर दूबे, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात
- प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली
- प्रो. पूरनचंद टंडन, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी, दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय अध्यक्ष

आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद
(पद्मश्री, पद्मभूषण)
राष्ट्रीय अध्यक्ष-विश्व हिंदी परिषद
पूर्व राज्यसभा सदस्य, पूर्व उपाध्यक्ष-संसदीय राजभाषा समिति, भारत सरकार

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्री देवी प्रसाद मिश्र
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-विश्व हिंदी परिषद
सदस्य-हिंदी सलाहकार समिति, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार

राष्ट्रीय महासचिव/ मुख्य संयोजक

डॉ. विपिन कुमार
राष्ट्रीय महासचिव-विश्व हिंदी परिषद
सदस्य-हिंदी सलाहकार समिति, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार

संयोजक

- श्रीमती कमलेश जांगड़े, सांसद, लोकसभा, छत्तीसगढ़
- डॉ. संगीता बलवंत, सांसद, राज्यसभा, उत्तर प्रदेश
- डॉ. कल्पना सैनी, सांसद, राज्यसभा, उत्तराखंड
- श्रीमती ममता मोहंता, सांसद, राज्यसभा, ओड़िसा

अंतरराष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

- डॉ. रामेश्वर सिंह, अध्यक्ष, रूस एवं संयोजक सीआईएस देश
- डॉ. अर्चना पंड्या, अंतरराष्ट्रीय संयोजक, विश्व हिंदी परिषद (अमेरिका)
- डॉ. शिप्रा शिल्पी, अंतरराष्ट्रीय सह संयोजक, विश्व हिंदी परिषद (जर्मनी)
- डॉ. पुष्पिता अवस्थी (नीदरलैंड)
- डॉ. कल्पना लाल (मॉरीशस)
- डॉ. रमा शर्मा (जापान)
- डॉ. के के झा (मॉरीशस)
- डॉ. फ़ातेसह अत्तारपोर (ईरान)
- डॉ. अल्का धनपत (मॉरीशस)
- सुश्री सफ़कत सिद्दीक़ी, अबुधाबी (यूएई)
- डॉ. नधिरा शिवंती (श्रीलंका)
- डॉ. रजेश्वरी शर्मा, उत्तर अफ्रीका
- डॉ. अर्चना शर्मा, पेन्यूलि (डेनमार्क)
- डॉ. तेजेंद्र शर्मा (लंदन)
- श्रीमती लूसिन यम त्रिपाठी (अर्मेनिया)
- डॉ. स्नेहा ठाकुर (कनाडा)
- डॉ. ऋतु शर्मा ननन पांडे (नीदरलैंड)
- श्रीमती संगीता चौबे पंखुड़ी (कुवैत)
- श्रीमती आरती विमल पारीख (सउदी अरब)
- डॉ. विवेकमणि त्रिपाठी (चीन)
- सुश्री वंदना खुराना, (लंदन)
- सुश्री सारिका फ्लोर, (केन्या)

सम्मेलन संयोजक

प्रो. रामनारायण पटेल, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

सम्मेलन सह-संयोजक

डॉ. योजना कालिया, विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. प्रतिभा राणा, उपाध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, दिल्ली
डॉ. प्रीति, महामंत्री, शैक्षिक प्रकोष्ठ, दिल्ली

सम्मेलन समन्वयक

डॉ. श्रवण कुमार, राष्ट्रीय समन्वयक, विश्व हिंदी परिषद

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

- डॉ ओमपाल सिंह निडर, पूर्व सांसद एवं अध्यक्ष, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, विश्व हिंदी परिषद
- प्रो. संध्या वात्स्यायन, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, विश्व हिंदी परिषद
- डॉ. शकुंतला सरपुरिया, राष्ट्रीय समन्वयक, विश्व हिंदी परिषद
- डॉ. नंद किशोर साह, केंद्रीय- सह सम्पर्क समन्वयक, विश्व हिंदी परिषद
- डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे, प्रदेश उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र
- प्रो. प्रदीप कुमार, उपाध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, विश्व हिंदी परिषद
- प्रो. संध्या गर्ग, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रो. कश्यप दुबे, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्लीडॉ.
- वेद प्रकाश, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रो. दीपमाला, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रो. निशा चौहान, हिमाचल प्रदेश
- डॉ. विजय पाटिल, संयोजक – मध्य प्रदेश, विश्व हिन्दी परिषद
- प्रो.श्रीनिवास त्यागी, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रो तृप्ता शर्मा, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रो. ममता, डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रो. शशि रानी, डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- डॉ. दीनदयाल, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- डॉ संगीता त्यागी, कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रो. (डॉ) पूनम कुमारी, बिहार
- डॉ. वनिता, विश्व हिंदी परिषद, नई दिल्ली
- डॉ. रवि कुमार, संयोजक, दक्षिण भारत
- प्रो. अरुण सज्जन, झारखंड
- डॉ. शशिभूषण कुमार, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, विश्व हिंदी परिषद
- डॉ. पी॰एल॰ कोठारी, उत्तराखंड
- डॉ. आशा ओझा, बिहार
- डॉ. नीलकंठ (एनसीईआरटी), राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, विश्व हिंदी परिषद
- डॉ शिखा रानी, श्री द्रोणाचार्य पी जी कॉलेज, दनकौर ,गौतम बुद्ध नगर

प्रदेश अध्यक्ष/ प्रकोष्ठ अध्यक्ष

- डॉ. ऋचा बनर्जी, अध्यक्ष, दिल्ली
- डॉ. अभिलाषा मिश्रा, उपाध्यक्ष, दिल्ली
- श्री करण सिंह, महामंत्री, दिल्ली
- डॉ. अरविन्द कुमार सिंह, सह-महामंत्री, दिल्ली
- प्रो. हर्षबाला, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, दिल्ली
- डॉ. शंकर गोयंका, अध्यक्ष, व्यवसाय प्रकोष्ठ, दिल्ली
- डॉ. विनय कुमार पाठक, संयोजक, छत्तीसगढ़
- डॉ. संगीता सिंह बनाफ़र, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़
- डॉ. अरुण कुमार, अध्यक्ष, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़
- डॉ. अनिता, महामंत्री, छत्तीसगढ़
- डॉ. रितु महिपाल, संयोजक, ओड़िशा
- श्री विक्रमादित्य सिंह, अध्यक्ष, ओड़िशा
- डॉ. मंजुश्री बेदूला, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, ओड़िशा
- श्री गोविंद चौधरी, महामंत्री, ओड़िशा
- प्रो. अर्जुन चव्हाण, अध्यक्ष, महाराष्ट्र
- डॉ. जितेंद्र जोशी, अध्यक्ष, व्यापार प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र
- डॉ. टी. बी. मोहनन, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र
- डॉ.पी राजरत्नम, अध्यक्ष, तमिलनाडु
- डॉ. सीताराम आठिया, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश
- इंजी. संजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, मध्य प्रदेश
- श्रीमती अनुपमा अनुश्री, संयुक्त मंत्री, शैक्षिक प्रकोष्ठ, मध्य प्रदेश
- श्री दिलीप पंसारी, अध्यक्ष, तेलंगाना
- श्री सौरभ कुमार, महामंत्री, तेलंगाना
- डॉ. गौरव सिंह, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश
- श्री संत राम शुक्ल, अध्यक्ष, पूर्वांचल, पूर्वी उत्तर प्रदेश
- डॉ . के. पी. मिश्र, अध्यक्ष - शैक्षिक प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश
- श्री पवन कुमार कौशिक, उपाध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश
- श्री अभिनव सिंघल, अध्यक्ष, व्यापार प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश
- डॉ संतोष तुकाराम तेलकीलर, उपाध्यक्ष, उत्तराखंड
- श्री अजय कुमार गुप्ता, अध्यक्ष, हरियाणा
- श्री मुनिष कुमार, समन्वयक, हरियाणा
- श्रीमती गरिमा भाटी, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, हरियाणा
- डॉ. क़सम खान आज़ाद, महामंत्री, शैक्षिक प्रकोष्ठ, हरियाणा
- डॉ. नागेंद्र नारायण, अध्यक्ष, पंजाब
- श्री विक्रम रावत, अध्यक्ष, चंडीगढ़, प्रभारी- पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश
- डॉ. दिनेश साहू, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, सिक्किम
- डॉ. शिप्रा मिश्रा, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, बिहार
- प्रो. पंकजवासिनी, महामंत्री, शैक्षिक प्रकोष्ठ, बिहार
- श्री शक्तिवीर सिंह, उपाध्यक्ष, गुजरात
- श्री अनुराग आनंद, संयुक्त मंत्री, गुजरात
- श्री वैभव वेकरिया, महामंत्री, शैक्षिक प्रकोष्ठ, गुजरात
- डॉ. आशीष कुमार साव, संयुक्त मंत्री, पश्चिम बंगाल
- श्री धर्मेंद्र कुमार साव, कार्यकारिणी सदस्य, पश्चिम बंगाल
- श्री श्याम कुमार दास, कार्यकारिणी सदस्य, पश्चिम बंगाल
- श्रीमती इंदिरा सिंह सिरोही, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकोष्ठ, राजस्थान

सम्मेलन संबंधी नवीन सूचनाओं के लिए कृपया विश्व हिन्दी परिषद की वेबसाइट www.vishwahindiparishad.in निरन्तर देखते रहें। पंजीकरण आवेदन पत्र और प्रपत्र की मौलिकता के निर्धारित प्रारूप विश्व हिंदी परिषद की वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते हैं।

किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी हेतु सम्पर्क करें: 011-4305 2656, 8586016348